HW
02/09/11

Date
Page No.

संवाद लेखन

1. पिता → रामू बेटे परीक्षाएँ की तैयारी कैसी चल रही हैं ?

पुत्र → पापा, आप तो जानते ही हैं, मेरी परीक्षा बहुत निकट है, इसलिए मैं दिन-रात मेहनत कर रहा हूँ।

पिता → बेटा, तुम्हें कुछ विषय समझने में कठिनायाँ तो नहीं हो रही है ?

पुत्र → जी पापा, मुझे गणित के एक विषय में समझने में कठिनाई हो रही है।

पिता → अच्छा, तो कल मैं तुम्हें समझा दूँगा।

Date
Page No.

पुत्र → पापा, मेरा कुछ विषय खत्म हो गया है। और थोड़ा कुछ बचा है।

पिता → बेटा, तुम्हारे अंक पिछले परीक्षा में गणित और विज्ञान के विषय में कम आया था। तो, उसपर ज्यादा ध्यान दिया करो।

पुत्र → हाँ, पिताजी मैं कोशिश करूँगा। अगर कुछ समझ नहीं पाया तो, मैं अपने ~~क्लास टीचर~~। शिक्षक से पूछ लूंगा।

पिता → मन लगाकर पढ़ाई करना और अच्छे अंक प्राप्त करना। अपने खाने-पीने का भी ध्यान रखना।

Date

Page No.

पुत्र → जी पिताजी ध्यान रखूँगा।

2. सुबास → अरे संजीव! आजकल सब चीज़ों के दाम बढ़ गए हैं न?

संजीव → हाँ मित्र, मैं तो अभी-अभी मार्केट से आ रहा हूँ। सब्ज़ी, ग्यास, आदि बहुत महँगे हो गए हैं।

सुबास → हाँ, आजकल छोटे छोटे चीज़ें जैसे तेल, कपड़े कम दाम में कहीं मिलते ही नहीं।

संजीव → पहले समय में चीज़े सब कम दाम में मिलते थे लेकिन अब सारे चीज़ महँगे हो गए हैं।

Date
Page No.

सुबास → हाँ, हाँ तुमने बिल्कुल सही कहा है।

संजीव → और एक बात है कि हमारे तनख्वाएँ भी नहीं बढ़ रही हैं और इसलिए आजकल के समय में जीना बहुत मुस्किल हो गया है।

सुबास → आज के ज़माने में बिजली का बिल, ~~गाड़ी में भरने के लिए~~ पेट्रोल, डीजेल का दाम पुरा आकाश पर है।

संजीव → हाँ, अब हम क्या कर सकते हैं? हमें वैसे ही जीना होगा।

सुबास → अच्छा, मैं चलता हूँ, मेरा कुछ काम है।

Date
Page No.

संजीव→ तो ठीक है, हम फिर कभी
मिलेंगे।

Date

Page No.

3. सोनल → अरे संगीता! तुम्हारा E परीक्षा में अंक कितने आए हैं।

संगीता → क्यों? तुम्हारा कितना आया है?

सोनल → मेरा E परीक्षा का अंक थोड़ा कम आया है। मेरा विज्ञान में 100 में से 60, अंग्रेजी में 100 में से 70, ~~गणित~~ गणित में 100 में से 75 आदि आया है।

~~सोनल~~ संगीता → चलेगा, कोई बात नहीं। तुम और परिश्रम करना, तुम जरूर आगे जा पाओगी। लेकिन तुम्हारी असुविधा क्या है?

~~संगीता~~ सोनल → मैं E क्लास करते समय मेरा

Date
Page No.

बहुत नेटवर्क प्रॉब्लेम हो रहा है इसलिए मैं थोड़ा ठीक से सुन नहीं पाती हूँ। और मुझे पढ़ने के लिए कम समय मिलता है।

संगीता → हाँ, मेरा भी कभी-कभार होता है लेकिन तुम्हें अगर कोई असुविधा हो रही है तो हमारा सारा पढ़ाए गए विषय सब कोने वट्‌स आप में अपलोड हो रहे हैं। तुम उसे देखकर समझ जाओगी।

सोनल → ठीक है, मैं ध्यान रखूँगी।

संगीता → हमारे परीक्षा होने के कारण

Date
Page No.

प्रश्न थोड़े कष्ट आ रहे हैं,
तुम चिंता मत करो।
सोनल → लेकिन मैं परीक्षा देते समय
थोड़ा घबरा जाती हूँ।
संगीता → सुनो सोनल, तुम्हें परीक्षा
देते समय पूरा अपने दिमाग
को ठंडा रखना चाहिए।
सोनल → अच्छा, तो सहेली, मैं जाती
हूँ।
संगीता → ठीक है, मेरा भी थोड़ा काम
है।